

Inter-IIT एक्चाटिक्स : दिल जीत लिए

इस वर्ष की Inter-IIT एक्चेटिक मीट 1 अक्टूबर से 3 अक्टूबर को IIT रुडकी में सम्पन्न हुई। अभिलाष शर्मा के नेतृत्व में IIT खड़गपुर की वाटर पोलो टीम ने रजत एवं सूरज धांधेकर की अगुवायी में अक्चाटिक्स टीम ने स्वर्ण पदक पर कला जमाया।

वाटर पोलो स्पर्धा के शुरूआती मैचों में IIT खड़गपुर का दबदबा रहा। हमारी टीम ने IIT दिल्ली की टीम को 6-0 और IIT गुवाहाटी को 13-2 के बड़े अंतर से हराया। तीसरे ग्रुप मैच में मद्रासा की टीम ने खड़गपुर को कड़ी टक्कर दी पर अंततः उन्हें 5-3 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले में बम्बई के खिलाफ मैच 4-4 की बाबरी के बाद एक्ट्रा टाईम में गया जहाँ पाहुन जैन ने अंतिम क्षणों में गोल कर खड़गपुर को 6-5 से जीत दिलाई और फाईनल में स्थान पक्का किया। फाई



वहीं दूसरी

स्पर्धाओं में हमारे

नल मैच में कानपुर ने मार 3-2 से जीत दर्ज की जमाया। खड़गपुर की तक अपने श्रेष्ठतम खेल रजत पदक जीत कर गौरवान्वित किया।

ओर अक्चाटिक्स की अग्रणी तैराकों ने अपने अनुपम कौशल का प्रदर्शन कर अनेक पदक हासिल किये। पाँच स्वर्ण जीतने वाले IIT खड़गपुर के चिराग फियालोक निर्विवाद ही सम्पूर्ण स्पर्धा के सर्वश्रेष्ठ तैराक बन कर उभरे। इनके अलावे दर्शन वाचियर ने 2 स्वर्ण 2 रजत 1 कास्ट्र, श्रेयस महाजन ने 2 रजत तथा रणिता बैज ने 1 कास्ट्र जीत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। टीम ईवेन्ट्स में भी IIT खड़गपुर का प्रदर्शन प्रशंसनीय रहा और टीम ने medley relay में स्वर्ण और freestyle relay में रजत प्राप्त किया। गौरतलब है Medley relay में टीम 2 सेकेंड से रिकॉर्ड चूक गई। अक्चाटिक्स का स्वर्ण IIT खड़गपुर को प्राप्त हुआ और कानपुर को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

चमकती रंगोली

इल्लू और रंगोली – KGP की ज़िदंगी के दो अटूट हिस्से। अलो ही दिवाली एक दिन की ही, लेकिन यहाँ उस एक दिन के लिए महीनों पहले तैयारियाँ शुरू हो नीद और मृदुला के काम में जुट जाई-तो उन्होंने दूर होता है, कलात्मक तरह, इस अपनी दिवाली एक दिन की ही, लेकिन यहाँ उस एक दिन के लिए महीनों पहले तैयारियाँ जाती हैं। रातों की सुबह के लेक्चर जनता टेम्पो के साथ जाती है और इस मेहनत का नतीजा दीर्घों और रंगों का प्रदर्शन। हर बार की बार भी छात्रों ने प्रतिभा का भरपूर इस्तमाल कर सबको अचंभित कर दिया। रंगोली में RP हॉल ने संपूरक रंगों का अद्भुत प्रयोग किया, जिसके द्वारा दो अलग रोशनियों में रवामी विवेकानंद और चामकण्ठ परमहंस दृष्ट्यामान थे। कुछ इसी प्रकार की तकनीक का प्रयोग करते हुए RK हॉल ने भगवान राम को दर्शाया। RP को रंगोली में रजत से संतोष करना पड़ा। RK हॉल ने पवित्र दुर्गापूजा को दीर्घों के ज़रिए जताया और उसे बेहतरीन ग्राउंड सज्जा के साथ पूर्ण किया, जिसके लिए उन्हें कांस्य प्रदान किया गया। SN और RP दोनों ने ही इल्लू में गौतम बुद्ध के जीवन बृत्त को दर्शाया और RP हॉल को स्वर्ण प्राप्त हुआ। महिला हॉस्टलों में से, रंगोली के लिए MT हॉल में माँ संतान और RLB हॉल में व्यथित पृथ्वी का अत्यंत सुंदरता के साथ वर्णन हुआ था। MT हॉल ने इल्लू में रामायण रचाया था। RP कि तरह, LLR ने भी इल्लू में सिल्वर और रंगोली में स्वर्ण प्राप्त किया। स्वर्ण रोशनी से बनी स्वर्ण मंदिर में LLR की निषुणता स्पष्ट झलक रही थी। स्वर्ण मंदिर के झील की प्रतिलिपि बनाने में भी वे काफी हद तक सफल रहे। नारी शक्ति जैसे अति महत्वपूर्ण विषय के अभिप्राय पर प्रकाश डालती LLR हाल की रंगोली सबके आर्कषण का केन्द्र बनी।



सफलता प्राप्त कर लौटी हमारी टीम का जोश एवं आनंदविश्वास देखते ही बनता था, हालांकि टीम कम प्रति मैच रिफ्लेशमेंट अलीर्वेस और ट्रैक सूट न मिलने को लेकर नाखुश दिखी। साथ ही वे आवागमन के साधन के मुद्दे पर भी असंतुष्ट दिखे। इन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उम्दा प्रदर्शन करने वाली पूरी टीम व कोच बधाई के पात्र है। हम आशा करते हैं, हमारी अक्चाटिक्स टीम भविष्य में भी इसी तरह हमें गौरवान्वित करती रहेगी।

IIT खड़गपुर की तैराकी टीम को सफलता की ऊँचाईयों पर पहुँचाने का श्रेय इसके नवनियुक्त कोच श्री रितेश गुच्छैत को भी जाता है। पेश है रिटायर्ड PTI ऑफिसर श्री T.K. गुच्छैत के इस सुपुत्र से बातचीत के कुछ अंश :

- आपने IIT खड़गपुर की तैराकी टीम के प्रशिक्षण का जिम्मा कब लिया ?
- रितेश 6 वर्ष तक तैराकी प्रशिक्षण में अनुभव लेने को बात इसी वर्ष जून माह में मझे टीम के प्रशिक्षण का भार सौंपा गया।

पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष की सफलता का मुख्य कारण टीम में पूल के अंदरबाहर की एकजुटता ही है। कड़ी मेहनत और नियमित अभ्यास के अलावा नई रणनीतियों के बूते हमने जीत हासिल की।

- IIT खड़गपुर की तैराकी टीम के प्रशिक्षण का जिम्मा कब लिया ?
- रितेश 6 वर्ष तक तैराकी प्रशिक्षण में अनुभव लेने को बात इसी वर्ष जून माह में मझे टीम के प्रशिक्षण का भार सौंपा गया।
- आपने IIT खड़गपुर की तैराकी टीम के प्रशिक्षण का जिम्मा कब लिया ?
- टीम के शानदार प्रदर्शन पर आपके विचार :

पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष की सफलता का मुख्य कारण टीम में पूल के अंदरबाहर की एकजुटता ही है। कड़ी मेहनत और नियमित अभ्यास के अलावा नई रणनीतियों के बूते हमने जीत हासिल की।

- IIT खड़गपुर की तैराकी टीम के प्रशिक्षण का जिम्मा कब लिया ?

यादगार अनुभव था। रहने खाने की अच्छी व्यवस्था थी। यहाँ तक कि की स्थानीय जनता भी फाईनल में हमें सपोर्ट कर रही थी। हमने पदक ही नहीं दिल भी जीत लिए।

- दमकता इल्लू

आश्चर्य कि बात यह थी कि इस बार दौड़ में MMM हॉल भी शामिल थी जिसने इल्लू में चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने 'प्रतिभा पलायन' के बेहद तार्किक विषय को बहुत ही सुंदर तरीके से इल्लू के रूप में प्रस्तुत किया। इसके इलावा रंगोली में MMM ने राधा-कृष्ण के अति रम्य दृश्य को अंकित किया था। दूसरी और रंगोली में B C Roy हॉल को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। PAN लूप में भी विविध प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया था। इल्लू में, पटेल हॉल ने उड़ीसा के कोणार्क मंदिर, आजाद हॉल ने हनुमानजी, और नेहरू हॉल ने दशावतार का वर्णन किया था। आजाद और नेहरू हॉल, दोनों ने ही रंगोली में चबिंद्रनाथ टैगोर को अंकित किया था। पटेल हॉल ने रंगोली में चौथा स्थान हासिल किया। दिवाली के इस शुभ अवसर पर Insti के आसपास काली माँ के दो पंडल भी स्थापित किए गए थे और आस पास के चौकों को रंग बिरंगी रोशनियों से सजाया गया था।

प्रकाशोन्स को मनाने की यह अनूठी परंपरा हमारे KGP जीवन का एक अभिन्न अंग है, जो कि अलग पहचान है। जगमगाते हैं। एवं चमचमाती सौंदर्य को हम KGPian कि आनेवाले का एहसास परंपरा इसी और प्रत्येक लासित करती रहेगी।



KGP को एक अपनी एवं ख्याति भी दिलाती हुए दीपों की चटाईयाँ रंगोली के अनुभव अपने आँखों में संग्रहे, यह तमन्ना रखते हैं वर्षों में भी, एकजुटता दिलाने वाली यह तरह कायम रहेगी, की जिदगी को हर्षी



Aditya Infotech

Special Winter offer

Buy a laptop from Aditya Infotech and get a Sub-Woofer(2.1 Music System) free on purchase of every laptop and desktop.



Address:

Puri Gate
IIT main Road
kgp

contact:

Mob: 9332569829
9734425456
Ph: 03222-326859

LIMITED PERIOD OFFER

प्रक्रिया एं सम्पन्न होते ही कुछ ने चैन की साँसे ली तो कुछ ने सोचा चलो आखिरकार बला खत्म हुई। साथ ही साथ इस बला के खत्म होते ही हमारे कई मित्रगणों के मन से DepC नामक ज्वर भी उत्तर गया।

इस्टी में एंटी मारते ही पचहत्तर प्रतिशत छात्रों को ऐसा लगता है कि उन्हें DepC जरूर मारनी चाहिए और उसी समय से शुरूआत होती है इस ज्वर की। इस ज्वर के मुख्य लक्षण कुछ इस प्रकार हैं:-

- 1 सारा दिन मरगु बने रहना।
- 2 लाईब्रेरी में दिन गुजारना।
- 3 प्लेसमेंट ऑफ़डों को घूरते रहना।
- 4 सभी प्रकार की सोसाईटी और पढ़ाई के अलावा सभी क्रियाकलापों से तौबा कर लेना।
- 5 फेसबुक एवं औरकूट की तरफ हेय दृष्टि से देखना।

मिड-सेम तक यह ज्वर अपनी चरमस्तीमा पर होता है, परंतु यदि आँकड़ों पर गौर फरमाएं तो मिड-सेम के खत्म होते ही पचहत्तर फीसदी का आँकड़ा साढ़े सात फीसदी पर जा गिरता है।

DepC नामक बुखार के "Pieces" में होते ही छात्रों के मर्तिष्ठ में "peace" नामक विषाणु का प्रवेश होता है। ये विषाणु DepC ज्वर के गिरते हुए दर

सुट्टा भाट

चेतावनी : धूम्रपान स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है, और पढ़ने के बाद आप सुट्टे की ओर आकृष्ट ना हों !!!

मेरी प्राणप्रिये, मेरी स्टेटसिंबल, मेरी खड़गपुर की एक मात्र अकेली आशा, किसी और का स्टेटस बढ़ाने में व्यरुत है। अब परिस्थिति विकट है, माना! पर अब करें क्या? प्रश्न है जीवन में आये इस खालीपन को भरें कैसे? अगलबगला देखा कई उपाय नज़र आये, कहीं दाढ़ की भी बोतल तो कहीं गांजे की महक पाये, पर ये सभी कारक संग एक समस्या लाये! और वो ये था जनाब, जोब में रोकड़ थे बहुत, पर वो थे हमने आशा पर लुटाये, अंततः हम सुट्टे की पनाह में आये! हाँ एक बात और, बीड़ी भी 'आउट ऑफ़ कंसिडरेशन' नहीं था, पर क्या करें, आखिर अपुन का स्टेटस भी तो 'फैक्टर ऑफ़ डिसीज़न' था।



सुना था लोहा, लोहे को काटता है! सो हमने भी दिल में लगी आग को, मुँह में लगा आग, उसे ठंडा करने की ठान ली। दोस्तों की मज़ानिस में था बैठा, और एक मित्र को 'धूम्रपाननिषेध' के बैनर के नीचे बैठा देखा, बातों ही बातों में उससे सुट्टे की दोचार कर्से मांग लैता, फिर जो होता है हमेशा पहली बार, मैं खाँसा वो हँसे! सच कहता हूँ, जितना मुँह नहीं जला उससे कहीं ज्यादा दिल जला! फिर सोचने की जरूरत क्या गोदाम गुरम था, दिमाग भी ब्लैक

था, सपनों में हमें हीरापन्ना देखने की खाहिश और तो और ये हमारे दोस्तों की भी थी विल्स, सो हमने भी सुट्टे का श्रीगणेश किया!

एंट सेम निकट आये, आदत से लाचार दो दिन पहले हमने छपेछाये नोट्स पाये, फिर से दिमाग में भरा टैंशन, सो सुट्टे ने कर लिया हमारा डिंशन, अब क्या था! वो दो दिन भी कट गये शांतिपूर्वक!

Timing – 9 am to 9pm
Thursday closed
181, Gole Bazar,
Kharagpur – 721301

लोगों ने कहा, ये सुट्टे की लत तुम्हे ले डूबेगी! हमने सोचा, विचार मंथन किया, और इस निष्कर्ष पर पहुँचा, कमबरङ्ग ये उन कई आशाओं से तो बेहतर ही है, जल जाये पर कम से कम खुद खत्म होने से पहले साथ वो नहीं छोड़ती! माना हमें ग्रेड 'एफ़' मिला हो पर उसे महसूस तो नहीं होने देती ये सिगरेट! और तो और, खड़गपुर में मच्छरों की जमात से इसकी दुश्मनी भी खास है! सो आप ही बतायें जनाब, जब इतने बड़े फायदे हों तो कैसे हम इसका त्याग करें, परित्याग करें! अब तो फेफड़े से एक ही आवाज निकलती है, जय हो सुट्टे की, जय हो सुट्टा महाराज़!

Kamal Sports
Deals in
*Sports *Fitness
*Health
16-A, Gole Bazar, Kharagpur
Contact:- 9933521191, 7797326993

पृष्ठ - 1 का शोष

शौर्य जैसे आयोजनों को आप कितना महत्वपूर्ण मानते हैं और शौर्य में अगले वर्ष आप क्या बदलाव देखना चाहेंगे?

अगले ओलंपिक्स में आप भारत के कैसे प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं, जबकि भारत का प्रदर्शन हालिया राष्ट्रमंडल खेलों में बढ़िया रहा?

ऐसे आयोजन ना केवल लोगों में खेलों की महत्वता को ही दर्शा

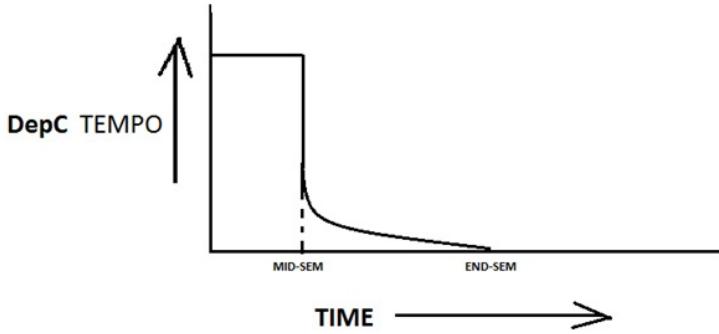
ते हैं बल्कि ये साथ ही साथ लोगों को खेलने के लिये प्रेरित करके उनके रवास्थ्य को बेहतर करने में सहायता होते हैं। हाँ!!! यहाँ एक बात के लिये खड़गपुर के प्रशासन को बधाई देना चाहूँगा की यहाँ सिर्फ़ साइकिल ही चलाई जाती है। और शौर्य में और अधिक मनोरंजन के तर्कों को जोड़ा जाना चाहिये, खेलों से जुड़े लोगों को रस्तान दिया जाये और इसमें उभरे खिलाड़ियों को और अधिक प्रोत्साहन दिया जाये।

आप देश में खेलों के स्तर में सुधार लाने के लिये क्या सबसे अधिक जरूरी मानते हैं?

(सहज भाव में बोलते हुये) धन! क्योंकि भूखे पेट कुछ नहीं हो सकता, और अधिक प्रायोजकों को आगे आ कर प्रतिभावन खिलाड़ियों की मदद करनी चाहिये। जिस दिन ऐसा हो गया उसी दिन से भारत खेलों में अबल हो जायेगा। उन्हें आगे बढ़ने के लिये और बेहतर मंच प्रदान किये जाने चाहिये।

को और गिराने में catalyst की भूमिका निभाते हैं। इस विषाणु के प्रवेश होते ही छात्रों में तरह-तरह के नए गुणों का जन्म होता है जैसे कि- क्लासेस बंक करना, लाइब्रेरी के प्रति दुर्भावना रखना, औरकूट और फेसबुक को अपना परम-मित्र मानना। इसका दुष्परिणाम यह निकलता है कि प्रथम-वर्ष में ही छात्रों को अपनी CG से हाथ धोना पड़ता है, जिसका दुष्प्रभाव उनके कंजीपी-काल में लम्बे समय तक रहता है, क्योंकि प्रथम वर्ष के पारों का प्रायश्चित फिर चाह के भी नहीं हो पाता।

अतः यदि इस विषाणु का आप में प्रवेश हो चुका है तो सावधान !



Phone : 258744
9332065817

ALICE OPTICIANS

Computerized Eye testing
and Contact Lens Clinic

We have full range of Contact Lenses

Timing – 9 am to 9pm
Thursday closed



की उम्मीद जरूर है। और हमारे ताजा प्रदर्शन को देख, अगर हम अन्य खेलों में भी पदक जीतते हैं, तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

आप मुक़बेला के अलावा और किन चीजों में दिलचस्पी लेते हैं?

मैं बचपन से ही मंच पर विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किया करता था, (काफी खुश होते हुये) साथ ही साथ मॉडलिंग में भी रुचि है। खाली समय में किंतु बढ़ता हूँ खासतौर पर कविताओं की।

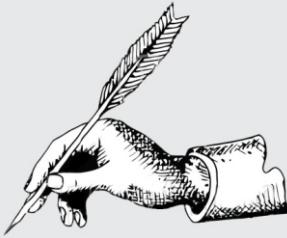
आप खड़गपुर के छात्रों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

बदलाव अनुभव और जोश से आता है। जीवन को अनुशासित करो, खुद पर भरोसा रखो हाँसते हुये जैसा आदमिविश्वास मुझमें है संकल्प धारण करो.....क्योंकि कोशिश करने वालों की हार नहीं होती!! और ऐसी चीजें इजाद करो जिनसे खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन को सुधारने में सहायता मिले।



सर्वप्रथम आवाज के सभी पाठकों को हमारा अभिनंदन। अक्टूबर के अंक को आपने जिस तरह से सराहा उसके लिए हम आपके अभारी हैं। हमारी पूरी कोशिश रहेगी कि हम आने वाले अंक में भी आपके उम्मीदों पर खड़ा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे।

हाल की घटनाओं का विवरण कॉमनवेल्थ गेम्स की चर्चा के साथ शुरू करना चाहूँगा। 3 से 14 अक्टूबर तक हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में 71 देशों से आए 6081 खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह भारत में आयोजित हुआ आज तक का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय कीड़ा अनुष्ठान रहा। भारत ने 38 रवर्ण 27 रजत व 36 कांस्य पदक के साथ 101 पदकों का शतक पूर्ण किया जो हमारा कॉमनवेल्थ खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने इन खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय हैं। खेल सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। हम आशा करते कि देश में किंठक के अलावा भी अन्य खेलों को प्रोल्साहन मिलेगा और हमारा देश खेल जगत में एक नई पहचान बना पाएगा।



एन एस एस के बढ़ते कदम

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस), युवा मामले एवं खेल कूद मंत्रालय के अधीन भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है। 24 अक्टूबर 1969 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. वी. के. आर. वी. ने NSS को देश के कई विश्वविद्यालय में आरंभ किया। तब से यह दिन एनएसएस दिवस के रूप में मनाया जाता है। NSS का मूल उद्देश्य युवाओं की सामाजिक चेतना को जगाना तथा उन्हें समाज के साथ काम करने का अवसर प्रदान कर उच्च शिक्षा को एक विस्तृत आयाम देना है। ऐसी अपेक्षा की जाती है कि ग्रामीणों से उनका मैल-मिलाप, सहयोग, छात्रों को जीवन की वास्तविकताओं से अवगत करायेगा तथा उनके सामाजिक विचारों में परिवर्तन लायेगा। युवा छात्रों में गाँवों के प्रति विमुखता पायी जाती है जबकि गाँव भारत का प्रमुख हिस्सा है। शिक्षित युवा जो भविष्य में देश की बागडोर संभालेंगे वो ही गाँव एवं समाज की मुख्य समस्या से अनभिज्ञ हैं। समाज सेवा एक उत्कृष्ट कार्य है तथा इससे जुड़ना गर्व की बात है।

हमारे कैंपस में भी एनएसएस दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डिप्टी डायरेक्टर, डीन, प्रोफेसर, NSS के अधिकारी, गाँव के शिक्षक, पास के रक्कूल के छात्र-



एवं NSS के लघुयंसेवक मौजूद थे। NSS के विभिन्न ग्रुप प्रतिनिधियों द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया तथा पास के रक्कूल के कुछ चयनित छात्रों को छात्रवृत्तियाँ बांटी गयी। इस अवसर पर NSS का वेबसाइट भी लॉन्च किया गया। समारोह का संचालन प्रो० गौतम साह कर रहे थे। कुछ सीनीयर छात्रों द्वारा अपनी पांकेट मनी तथा इन्टर्नशिप की राशि से गरीब छात्रों को आर्थिक मदद देने का प्रस्ताव भी आया।

हाल के कुछ दिनों में NSS समाज में काफी सराहनीय भूमिका निभा रहा है। बच्चों के मुस्कुराते हुए चेहरे यह बात साफ जाहिर करते हैं। NSS के छात्रों का समूह पास के गाँव तथा रक्कूल का सर्व कर रहे हैं। प्राइमरी रक्कूल के बच्चों में शिक्षा सह मनोरंजन पैक तथा हाई रक्कूल में पुस्तकालय संबंधी सामग्री बांटी गयी।

बच्चों की पढ़ाई में सहयोग के अतिरिक्त गाँव वालों को पर्यावरण संबंधी पहलुओं पर जानकारी दी जा रही है। हाल के कार्यों में NSS द्वारा 6 एवं 10 अक्टूबर को स्वास्थ कैंप आयोजित किये गये।

राजनीति की बात करें तो 12 अक्टूबर को हुए मतदान में भारत 19 साल के बाद UN सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य बना। भारत के पक्ष में 187 देशों ने मत दिया जो 1996 में हुए मतदान के परिणाम से काफी अच्छा रहा जब 100 मतों के अंतर से जीतकर जापान सुरक्षा परिषद का सदस्य बना था। दूसरी

ओर इलाहाबाद कोर्ट ने बाबरी मस्जिद के मामले पर अंतिम सुनवाई दी जो शांतिपूर्वक माहौल के साथ संपन्न हुआ।

Inter IIT Aquatics व Shaurya के साथ कैम्पस का माहौल शांत ही रहा। Inter IIT Aquatics में IIT KGP ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। Shaurya में भी IIT KGP का प्रदर्शन अच्छा रहा।

हमें उम्मीद है कि आप सभी ने दीवाली में खूब मज़े किए होंगे और आने वाली परीक्षा के लिए हमारी शुभकामानाएँ आपके साथ हैं।
जय हिंद।

संपादक आवाज

आवाज़ टीम

संपादकः

अमन कुमार, आशुतोष कुमार मिश्रा, सिद्धार्थ दोशी

सह संपादकः

मधुसूदन, अनुराग कटियार, कुणाल मिण्डा, निला गर्मा, प्रतिक भारकर, सीमान्त उज्जैन, स्वाति दास, सुप्रिया शरण

रिपोर्टरः

अनिषेष चौधरी, अगित कुमार डालमिया, रोहन भटोरे, वैभव श्रीवर्षी, सुगन्धा, सुशील राठी, विक्रम गोलेटी, चारू आत्रे, पुष्म भारद्वाज, रचित कोठारी, राजा पालवान, पुलकित मल्होत्रा, आदित्य थाटे

जनियर रिपोर्टर

प्रशांत झा, संगम तीर्थाराज, विकास केसरी, निकुंज शर्मा, विकास दुबे, गोपीनाथ सोरेन, हर्षि बंसल, अद्याशा महरना, राजेश रंजन, नैन्सी, शबाहत शकील

पाठकों के विचार एवं सुझाव आमंत्रित हैं
editor.awaaz@gmail.com

PAN IIT सम्मेलन 2010

हाल ही में दिनांक 31 अक्टूबर को नोएडा के “इंडिया एक्स्पो सेंटर” में PAN IIT सम्मेलन का समापन हुआ। इस त्रिविसीय सम्मेलन में देश विदेश की कई जानी मानी हस्तियों ने भाग लिया। इसमें आई आई टी के अलुम्नाई ने भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए विभिन्न मसलों पर विचार विमर्श किया तथा भारत के समक्ष आई विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला।

PAN IIT सम्मेलन का उद्घाटन 29 अक्टूबर को राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने इस सम्मेलन की संकल्पना को सराहा और साथ ही यह भी कहा कि PAN IIT में उठे मसलों पर विचार विमर्श से सरकार अपनी योजनाओं एवं प्रस्तावों को बेहतर ढंग से लागू कर पाएगी। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय “सर्वेनेबल ट्रांसफॉर्मेशन : हमारा नया भारत” था जो कि राष्ट्रपति के शब्दों में हमारे देश में आ रहे बदलावों को मतदेनजर रखते हुए पूर्णतया उपयुक्त था।

इस वर्ष PAN IIT 2010 में शासन प्रणाली एवं संचालन अर्थ प्रबंधन इनोवेशन जैसे कई मुद्रदों पर चर्चा हुई। भूटान के प्रधान मंत्री ल्याँग्नाँचैन जिम्मे ने जी डी पी में अनवरत उत्थान की कोशिश की

आलोचना की तथा भूटान में अपनाई गई एक नई प्रणाली ग्रॉस नेशनल हैप्पीनैस के बारे में बताया। कोलंबिया विश्वविद्यालय से आए जैफ सोक्स ने सम्मेलन में पर्यावरण की वित्तानक स्थिति के मुद्रदे को उठाया। मानव संसाधन एवं विकास मंत्री कपिल सिंबल ने शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने पर जोर दिया तथा इस पर निकट भविष्य में 600 करोड़ डॉलर निवेश करने का ऐलान किया। आई आई टी अलुम्नाई और नेशनल नॉलेज कमीशन के वैयरमैन तथा प्रधानमंत्री के सलाहकार ईम

पिट्रोडा ने बताया की भारत सरकार अगले पाँच सालों में IIT सेक्टर में 20 बिलियन

डॉलर का निवेश करने वाली है। उन्होंने ये भी कहा की भारतीय बाजार अमेरिका के लिए नए नीकरियों को उत्पन्न करने में सहायता हो सकती है। आई आई टी खड़गपुर के बोर्ड ऑफ गर्नर बी मुथुरमन ने सलाह दिया की केन्द्र सरकार को आई आई टी के मामलों में दखलांदाजी बंद कर देनी चाहिए।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन में आई आई टी अलुम्नाई एवं छात्रों के बीच कई बार-

पारस्परिक वार्तालाप हुए। साथ ही देश के अन्य बुद्धिजीवियों ने आई आई टी अलुम्नाई के साथ मिलकर न सिर्फ गंभीर मसलों पर चर्चा की बल्कि एक साथ समरोह का आनंद भी उठाया।

यह समारोह एक सफल समारोह माना जा रहा है और उम्मीद की जारी ही है कि PAN IIT सम्मेलन भारत के विकास में एक महत्वपूर्ण साधन बन सकता है।

यह समारोह एक सफल समारोह माना जा रहा है और उम्मीद की जारी ही है कि PAN IIT सम्मेलन भारत के विकास में एक महत्वपूर्ण साधन बन सकता है।

विगत महीनों में हमने आजादी के 60 बसंत देख लिए। सन '47 में जिन सपनों के साथ रक्ततंत्र भारत ने अपनी उड़ान शुरू की थी उन्हें लेकर आज हम एसे व्योम में पहुँच चुके हैं जहाँ हमारी सफलता का आकलन हम नहीं बल्कि पश्चिम में बैठे गोरे कर रहे हैं। वे जो मापदंड तय करते हैं, हम उनसे सामंजस्य बिठाने की कोशिशों में लगे हैं।

एक अमरीकी सर्वेक्षण के अनुसार भारत अमरीका एवं चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे शक्तिशाली राष्ट्र है और अगर यूरोपीय संघ को भी शामिल करें तो चौथा सबसे शक्तिशाली समूह। अँकड़े बताते हैं कि हम संपूर्ण वैश्विक शक्ति का 8 प्रतिशत पर कौन सी शक्ति ? दुनिया आजादी वाले देशों को विश्व बारहवाँ हिस्सा देकर आप कहते हैं। हमारी एक चौथाई के आसारे में अपना दिन शक्तिशाली की जो धज्जियाँ उड़ रहे हैं उसके समक्ष ऐसे सर्वेक्षण कोई मायने नहीं रखते। घोटालों और भूष्टाचार का अखाड़ा बन चुकी दिल्ली में हर किसी कोई अपनी जेबें भरने में लगा है। आवाज़ वो उठा रहे हैं जिनकी जेबें खाली हैं।

अभी पिछले दिनों पर्टीकों से भरी एक बस पर सारेआम आतंकियों ने गोलियाँ चलायी। किसी विश्वस्तरीय आयोजन से पहले ऐसी घटनाओं का होना हमारी खुद की सुरक्षा व्यवरुद्धा पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। सवाल उठते हैं। जिनके जवाब में हमें बताया जाता है कि हम दुनिया के तीसारे सबसे शक्तिशाली राष्ट्र हैं। जागो इन्दुस्ट्रीज़ जागो।

एक पहलू ऐसा भी

अरुणधती राँय : कश्मीर भारत का अंग नहीं है

अरुणधती राँय बुकर पुस्तकार विजेता लेखिका है। पर इनके वक्तव्यों से ऐसा नहीं लगता। गैरतलब है कि हाल ही में मिसेज राँय ने टिप्पणी की है कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग नहीं है और भारत को कश्मीर से उतनी ही आजादी की ज़रूरत है जितनी कश्मीर को भारत से। अरुणधती राँय ने कहा कि कश्मीर एक राजसी राज्य था और अतः यह कभी भी भारत का अंग नहीं रहा। पर मिसेज राँय भारत में

आजादी से पहले लगभग 680 राजसी राज्य थे जो इनसे क्या करें अंग है तो किसी भी आज भारत का अभिन्न कश्मीर के साथ ही ऐसे कर्यों? मिसेज राँय पहले भी

कई आपत्तिजनक टिप्पणियाँ कर चुकी हैं। जैसे एक बार इन्होंने नक्सलवाद का यह कहकर समर्थन किया था कि यह एक सांस्कृतिक संघर्ष है और यह संघर्ष गाँधीवाद के जरिए नहीं किया जा सकता। पर मिसेज राँय आप इतनी शिक्षित होने के बावजूद ऐसी भड़काऊ टिप्पणियाँ करेंगी तो हम तो आपसे बस यही कहेंगे कि 'आपसे क्या करें?'।

अमर्तर आईआईटी उर्जा बचत प्रतिस्पर्धाखड़गपुर तीसरे स्थान पर

उर्जा संरक्षण के महत्व को मददेनज़र रखते हुए पहली बार अंतर आईआईटी उर्जा बचत प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। आईआईटी बॉम्बे के तकनीक महोत्सव 'टेक फेर्स्ट' के बैनर तले, इस प्रतियोगिता में इस वर्ष 5 आईआईटी कमशास्त्र खड़गपुर, बॉम्बे, मद्रास, दिल्ली और कानपुर आपस में लोहा लेंगे, जिसके विजेता को एक 'ट्राफी' और 'चैम्पियंस' का खिताब मिलेगा। इस प्रतियोगिता की मूल्यांकन अवधि 1 सितंबर से 30 नवंबर तक निर्धारित की गई है।

इस प्रतियोगिता को सभी भाग ले रहे IIT's के deans का अनुमोदन प्राप्त है। इस कार्यक्रम में आईआईटी खड़गपुर का झंडा बुलंद करने की जिम्मेदारी वैद्युतिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. प्रबोध वाजपेयी और प्रो. एनके किशोर की निगरानी में AIESEC को दी गई है, क्योंकि पिछले वर्ष ही उन्होंने उर्जा अँडिट किया है जो की काफी सफल रहा था। इसमें खड़गपुर के 10 हॉल, कमशास्त्र पटेल, मदन मोहन मालवीय, लाला लाजपत राय, मेघनाद साहा, विद्यासागर, होमी ज़हानीर भाभा, जगदीश चंद्र बोस, चाधाकृष्णन, विधान चंद्र राय और रानी लक्ष्मीबाई हॉल भाग ले रहे हैं। अन्य हॉलों में निर्माण संबंधी गतिविधियाँ जॉर्जे पर हैं जिससे उन्हें शामिल करना संभव नहीं है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य उर्जा संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को लोगों के दैनिक व्यवहार में शामिल करना है, जिससे अत्यधिक जीवाशम ईंधन के प्रयोग से जो हानि होती है उसे रोका जा सके।



पिछले वर्ष इन 3 महीनों में आईआईटी बॉम्बे ने पूर्ण खपत के 12 % बिजली की बचत की थी अतः निगरानी टीम इस वर्ष 15 % बचत का लक्ष्य ले कर चल रही है। पर अक्टूबर के ताजा जारी आँकड़ों में खड़गपुर अपने लक्ष्य से कोर्सों दूर है। जहाँ लक्ष्य 15 % का था, वही आधार मास अगस्त, 2010 को लेते हुये, सितंबर तक केवल 2.98 % की बचत की गई है। पर ये सब होते हुये भी खड़गपुर तीसरे स्थान पर काबिज है, वहीं जहाँ बॉम्बे 3.43 % के साथ दूसरे और कानपुर 6.39 % के साथ पहले स्थान पर अपना सिक्का बुलंद किये हुये हैं। संस्थान में हॉलों के आँकड़ों पर नज़र डालें तो विद्यासागर 15.6 % बचत के साथ पहले, लाला लाजपत राय 8.96 % के साथ दूसरे और 6.84 % के साथ रानी लक्ष्मीबाई हॉल तीसरे स्थान पर काबिज है। आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल पुलकांति का मानना है कि, चूँकि इस प्रकार का आयोजन पहली दफ़ा हो रहा है सो ये आँकड़े भी उत्साहजनक माने जा सकते हैं।

7 सदस्यीय निगरानी टीम के सदस्य सुभांशु मिश्रा ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये उठाये गये कदमों का व्यौत्ता दिया, जैसे सामूहिक बिजली कटौती, बिना मतलब के विद्युत उपकरणों का प्रयोग रोकने के लिये छात्रों में जागरूकता फैलाना, सीएफएल बल्बों का प्रयोग आदि। उन्होंने अंतर आईआईटी उर्जा बचत प्रतिस्पर्धा की तर्ज पर इंटर हॉल के आयोजन की भी बात कही।

PROVIDING EFFICIENT SALES, SERVICE SINCE 11 YEARS IN IIT KGP.

Goyal Infotech

Laptop Spares, Battery, Adaptor, LCD, available at Attractive Price.

To Cut Down Huge Laptop Repairing Charge, Extend your Warranty on Laptop of Dell, Sony Asus, Lenovo, Acer, HP Pro Book Etc. & Rest in Peace.

PURI GATE, IIT MAIN ROAD, KGP. Cell 9932481451/9333359460/220158

Bumper Deepawali Offer on Laptop & Desktop.

NO.1 IN LAPTOP REPAIRING

Bring this Paper & Take an Extra Gift on Purchase.

AUTHORISED DEALER:

DELL, HP, ACER, COMPAQ, LENOVO, SONY VAIO, ASUS, ZENITH

Enjoy the specific taste of Indian, South Indian, Chinese, Tandoor dishes at the food café

For door step delivery:-
Call 9932486646

Break n' Bite

a food e'lan

Tejvinder Singh Dhami (Rinku)
At - Hotel Park Arcade
Near - IIT Kharagpur



विज्ञान व इंजीनियरिंग के छात्रों के वजीफे में हुई 33 प्रतिशत बढ़ोत्तरी।

इंजीनियरिंग एवं विज्ञान के क्षेत्र में स्नातकोत्तर करना अब और भी लाभप्रद हो गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुसार आई.आई.टी सहित सभी केंद्रीय विज्ञान व इंजीनियरिंग काँतेजों के रिसर्च स्टॉलरों के मासिक वजीफे में 33 फीसदी इजाफा किया जाएगा। जिन छात्रों ने आई.आई.टी से बी.टेक कोर्स में 8 से ज्यादा सी.जी के साथ स्नातक किया हैं, उन्हें अपने पी.जी रिसर्च के दौरान 16000 रुपए दिए जाएँगे। इससे पहले इन छात्रों को 12000 रुपए मिलते थे।



आई.आई.टी के प्रोफेसरों पर साहित्यिक चौरी का आरोप।

आई.आई.टी खड़गपुर के फिजीक्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर आर.एन.पी चौधरी को एच.ओ.डी की पोस्ट छोड़नी पड़ी। इसका मुख्य कारण यह है कि जूनियर फैकल्टी में बर.ए.के.ठाकुर ने उनपर रिसर्च में उनके योगदान को अनदेखा करने का आरोप लगाया है। बहराहाल प्रोफ. चौधरी का कहना है कि ठाकुर ने रिसर्च में कोई योगदान दिया ही नहीं। इसके अलावा आई.आई.टी दिल्ली व आई.आई.टी कानपुर के भी एक प्रोफेसर पर कुछ इसी तरह के आरोप लगाए गए हैं।

वित्त मंत्रालय ने आई.आई.टी खड़गपुर के लिए किया योजना आयोग की अस्वीकृति को अनदेखा।

वित्त मंत्रालय ने आई.आई.टी खड़गपुर को 500 करोड़ का ल्पेशल ग्रांट देने की प्रस्तावित योजना पर योजना आयोग की अस्वीकृति को खारिज़ कर दिया। इसके साथ ही वित्त मंत्रालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय से इस योजना को औपचारिक रूप से ग्रांट के लिए जमा करने को कहा है।

आई.आई.टी खड़गपुर करेगा भारतीय रेल की सहायता।

आई.आई.टी खड़गपुर भारतीय रेलवे की मदद उच्च गति कॉर्टीडोर बनाने में करेगा जिसमें पैसेंजर ट्रेनें 200 से 250 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल सकें। इसके साथ ही आई.आई.टी अडवांट लोको पॉयलट ट्रेनिंग सेंटर एवं वैगन प्रोटोटाइपिंग यूनिट के निर्माण में भी अपना योगदान देगा।



कैम्पस में नुक़री

नवम्बर माह के प्रारम्भ में कैम्पस रंगमंच के प्रसिद्ध खरूप 'नुक़री नाटक' से परिचित हुआ। HTDS द्वारा प्रदर्शित 'धनो फिर से भाग गयी' नामक यह नुक़री जन जागृति फैलाने का प्रयास था। इस नाटक के माध्यम से आज समाज में एक दूसरे पर दोष मढ़ने की विकृति पर सटीक टिप्पणी की गयी। आज जब सभी लोग हमारे देश की public व्यवस्था को कोसती रहती है तो शायद कहीं एक आशा की किरण जगाने की अपील इस नुक़री में नजर आयी। देश सुधारने का प्रण लेना इस साक्ष्य में ही निश्चित है कि हमारे मन मस्तिष्क में प्रगतिवादी सोच का अंकुर फूटे। बार्केटबाल कोर्ट पर हुए इस प्रदर्शन के बाद दर्शकों में आत्ममंथन का भाव साफ़ झलक रहा था। इस तरह के आयोजन भविष्य में निश्चित अंतराल पे होते रहने चाहिए।

DC top 5

1. Social Network (movie)
2. The Office -season 7 (TV series)
3. Scott Pilgrim vs. The World (movie)
4. Bill Maher - But I'm not wrong (stand up comedy concert)
5. Avatar - extended edition in blueray (movie)



ये एशिया का largest event है...
बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।
कौन कौन event में आ रहे हो ?



Technology कार्टून कोना



पूरा SN, MT
आ रहा है

अब कौन कौन
आएगा



COMPUTER CITY
ONE STEP SOLUTION FOR YR. PC

PURIGATE . KHARAGPUR 9434369789 / 9832278786

Windows 8, Life without Walls™. Acer recommends Windows 8.

Photogallery More than 8 hours Ultra Thin design and Sound Surround Excellent performance

ASPIRE TIMELINE X

More than just time

Ultra Thin LED HD

More than 8 hours* of excellent performance in a thin and light design

The Aspire Timeline X offers more than just time. It gives you excellent performance with the all new 2010 Intel Core processor family. It is less than one inch thick and available in 11.6", 13.3" and 15.5" HD widescreen versions with powerful graphics.

*Actual battery life varies by usage, settings, and operating conditions.

Authorized Dealer Of :- Acer Dell HP SONY HCL

DESKTOP/HARDWARES/ACCESSORIES /REPAIRING & SERVICEINGS